

प्रसार भारती
आकाशवाणी केन्द्र शिमला

16.10.2026 / प्रादेशिक समाचार / 15:00 बजे

राष्ट्रीय सम्मेलन

धर्मशाला में आज से ई-गवर्नेंस सुधारों पर दो दिन का राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। सम्मेलन में केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी तथा विशेषज्ञ डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि कांगड़ा को प्रदेश की पर्यटन राजधानी घोषित करने के बाद सरकार का प्रयास है कि यहां क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजित किए जाएं। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय होटल कारोबारियों को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि आगामी दिसंबर में धर्मशाला में नार्थजोन का अधिवेशन आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अब किसी भी परियोजना का उद्घाटन या शिलान्यास तब तक नहीं करेगी जब तक उसका 30 प्रतिशत तक काम पूरा न हो जाए। उन्होंने ये भी कहा कि सरकार ने जिलों और प्रशासनिक इकाईयों के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉक्टर जितेंद्र सिंह को भी आना था लेकिन अब उनका दौरा रद्द हो गया है।

अनिरुद्ध सिंह

ग्रामीण व पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा है कि डीडीयू-जीकेवाई 2.0 कार्यक्रम में हिमाचल देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लगभग 78 प्रतिशत युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने में सरकार को सफलता मिली है। अनिरुद्ध सिंह आज धर्मशाला में आयोजित डीडीयू जीकेवाई 2.0 को लेकर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के अलावा केंद्र सरकार के अधिकारी भी मौजूद रहे। अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि प्रदेश में पंचायतों के बुनियादी ढांचों को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पंचायतों की सभी सेवाएं ऑनलाइन की गई हैं और कार्यवाही को भी डिजिटल किया गया है। इससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

अनिरुद्ध सिंह ने ये भी कहा कि नये जिलों के गठन को लेकर विपक्ष को अभी स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार करना चाहिए।

बिटू

मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने आज निजी स्कूल डुग्धा कलां में स्कूल शिक्षा विभाग और हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए जा रहे जिला स्तरीय बाल विज्ञान सम्मेलन का शुभारंभ किया। इसमें जिला हमीरपुर के विभिन्न उपमंडलों के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से जहां बच्चों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का अवसर मिलता है, वहीं उनमें वैज्ञानिक सोच का विस्तार भी होता है। इन्हीं में से कई बच्चे भविष्य में वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर और अन्य प्रोफेशनल्स बनकर देश के लिए बहुत बड़ा योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अर्थ सिर्फ पढ़ाई-लिखाई ही नहीं होता है, बल्कि बच्चों में रचनात्मकता, सृजनशीलता और विस्तृत सोच विकसित करना सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस दिशा में बाल विज्ञान सम्मेलन जैसे आयोजन बहुत बड़ी भूमिका अदा करते हैं। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई प्रोजेक्टों व मॉडलों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और इनकी सराहना की।

बाल विज्ञान कांग्रेस

सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन स्थित पीएमश्री स्कूल में आज दो दिवसीय जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस शुरू हुई। इस विज्ञान कांग्रेस में जिला भर से लगभग 2 सौ 50 विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं। विज्ञान कांग्रेस के शुभारंभ के मौके पर प्रारंभिक शिक्षा उप निर्देशक राजीव ठाकुर ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना और उन्हें अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना है।